गोवा में आयोजित जी20 पर्यटन मंत्रिस्तरीय बैठक की उपादेयता

परमजीत यादव [1]एवं राजेश श्रीवास्तव [2]

जी20 सदस्य देशों के पर्यटन मंत्री, 21 जून 2023 को गोवा में मिले, जिसमें कोविड-19 महामारी के प्रभावों से मुक्त करते हुए पर्यटन की दिशा में काम करने और भूमिका को आगे बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रतीत होती है। सतत विकास के लिए संयुक्त राष्ट्र 2030 एजेंडा के कार्यान्वयन और इसके सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) की उपलब्धि में तेजी लाने में पर्यटन की भूमिका पर व्यापक चर्चा हुई और इस दौरान एक लचीले और टिकाऊ पर्यटन क्षेत्र के विकास के लिए पर्यटन कार्य समूह भारत के जी20 प्रेसीडेंसी द्वारा पहचाने गए पांच पर्यटन प्राथमिकता वाले क्षेत्रों का समर्थन किया गया जैसे: 1) हरित पर्यटन; 2)डिजिटलीकरण; 3) कौशल; 4) पर्यटन एमएसएमईऔर 5) गंतव्य प्रबंधन। पिछले जी20 पर्यटन मंत्रियों की घोषणाओं और बयानों में कहा गया है, पर्यटन जी20 के मुख्य उद्देश्य में महत्वपूर्ण योगदान देता है जो "मजबूत, टिकाऊ, संतुलित और समावेशी विकास" को बढ़ावा देता है, इसलिए सतत विकास में तेजी लाने और एसडीजी हासिल करने में इस क्षेत्र को आगे बढ़ाने की दिशा में काम करना आवश्यक है।

यूक्रेन में युद्ध के वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ते प्रतिकूल प्रभाव के संबंध में संबंधित विषय पर चर्चा की गई जिसमें संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद और संयुक्त राष्ट्र महासभा सहित अन्य मंचों पर व्यक्त की गई अपनी राष्ट्रीय स्थिति को दोहराया गया। इसे 2 मार्च, 2022 के संकल्प संख्या ईएस 11/1 में बहुमत वोट द्वारा अपनाया गया था। यूक्रेन के खिलाफ रूसी संघ की आक्रामकता की कड़े शब्दों में निंदा की गई और यूक्रेन के क्षेत्र से उसकी पूर्ण और बिना शर्त वापसी की मांग के बारे में चर्चा की गई। अधिकांश सदस्यों ने यूक्रेन में युद्ध की कड़ी निंदा की और इस बात पर जोर दिया कि इससे भारी मानवीय पीड़ा हो रही है और वैश्विक अर्थव्यवस्था में मौजूदा कमजोरियां बढ़ रही हैं - विकास बाधित हो रहा है, मुद्रास्फीति बढ़ रही है, आपूर्ति श्रृंखला बाधित हो रही है, ऊर्जा और खाद्य असुरक्षा बढ़ रही है, और वित्तीय स्थिरता का खतरा बढ़ रहा है। यह मानते हुए कि

[1] डेयर
[2] राजभाषा विभाग

जी20 सुरक्षा मुद्दों को हल करने का मंच नहीं है, यह स्वीकार किया गया कि सुरक्षा मुद्दों के वैश्विक अर्थव्यवस्था पर गंभीर परिणाम हो सकते हैं।

अंतरराष्ट्रीय कानून तथा शांति और स्थिरता की रक्षा करने वाली बहुपक्षीय प्रणाली को बनाए रखना आवश्यक है। इसमें संयुक्त राष्ट्र के चार्टर में निहित सभी उद्देश्यों और सिद्धांतों की रक्षा करना और सशस्त्र संघर्षों में नागरिकों और बुनियादी ढांचे की सुरक्षा सहित अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून का पालन करना शामिल है। परमाणु हथियारों का उपयोग या उपयोग की धमकी अस्वीकार्य है। संघर्षों का शांतिपूर्ण समाधान, संकटों के समाधान के प्रयास, साथ ही कूटनीति और संवाद महत्वपूर्ण हैं। आज का युग युद्ध का नहीं होना चाहिए। सतत सामाजिक-आर्थिक विकास और आर्थिक समृद्धि के साधन के रूप में पर्यटन की महत्वपूर्ण भूमिका है और पर्यटन नीतियों में क्षेत्र का परिवर्तन का विषय सबसे आगे होना चाहिए। पर्यटन नीतियों में स्पष्ट रूप से स्थिरता, समावेशन और लचीलेपन को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। इस क्षेत्र को एक समग्र दृष्टिकोण की आवश्यकता है जो आर्थिक, सामाजिक, पर्यावरणीय स्थिरता के चक्र को बढ़ावा दे, इसके लिए जी20 देशों में एक संपूर्ण-सरकारी दृष्टिकोण, विभिन्न स्तरों पर क्रॉस-सेक्टोरल समन्वित नीतियों की आवश्यकता होगी। राष्ट्रीय परिस्थितियों, जरूरतों और प्राथमिकताओं को ध्यान में रखते हुए नियोक्ताओं और श्रमिकों के संगठनों, निजी क्षेत्र और स्थानीय आबादी के साथ-साथ नए, समावेशी और अभिनव वित्तपोषण मॉडल की आवश्यकता है।

पर्यावरण के लिए जीवन शैली की अवधारणा को आगे बढ़ाने के महत्व को पहचानने की आवश्यकता है। जो कम करने, पुन: उपयोग करने और पुनर्चक्रण के दृष्टिकोण के अनुप्रयोग के माध्यम से हमारे ग्रह के बहुमूल्य प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और व्यक्तियों के प्रयासों के माध्यम से प्रकृति के साथ सदभाव में रहने पर केंद्रित है। आबादी के परिणामस्वरूप सकारात्मक व्यवहार परिवर्तन का एक वैश्विक जन आंदोलन शुरू हुआ जो पर्यटन क्षेत्र में एसडीजी प्राप्त करने के लिए एक त्वरक के रूप में काम कर सकता है। गोवा की बैठक के दौरान पर्यटन नीतियों और पहलों के माध्यम से लैंगिक समानता को आगे बढ़ाने और महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्धता की पुष्टि की गई। सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के माध्यम के रूप में पर्यटन के लिए गोवा रोडमैप सराहनीय है। एसडीजी की उपलब्धि की दिशा में पर्यटन को आगे बढ़ाने में सक्षम करने के लिए कार्रवाई योग्य नीतियों को स्थापित किया जाना आवश्यक है।

पर्यटन क्षेत्र को हरित बनाना

पर्यटन क्षेत्र जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता और सांस्कृतिक नुकसान से प्रभावित होता है और अत्यधिक प्रभावित होता है और इसे प्रकृति संरक्षण, जलवायु कार्रवाई, आर्थिक समृद्धि, सांस्कृतिक संरक्षण और समाजों के बीच अधिक लचीला बनाने के लिए असमानताओं से संघर्ष करना होगा। बुनियादी ढांचे और संचालन में स्थिरता को आगे बढ़ाने के लिए पर्यटन नीतियों में निम्नलिखित को शामिल करने की आवश्यकता है जैसे नौकरियाँ पैदा करना ; उत्सर्जन को कम करने के दृष्टिकोण को प्रोत्साहित करने के लिए मुख्यधारा की जलवायु कार्रवाई करना ; जैव विविधता संरक्षण और पर्यावरण एवं जलवायु अनुकूल पर्यटन का समर्थन करना; पर्यटन विकास में स्थानीय निवासियों और कमजोर समूहों, जैसे युवाओं, महिलाओं, स्थानीय समुदायों और स्वदेशी लोगों और विकलांग व्यक्तियों की रक्षा,

सशक्तिकरण और ट्रैवल फॉर लाइफ की भावना में स्थायी पर्यटन के लिए आगंतुकों की कार्रवाई को आगे बढ़ाना। पर्याप्त डेटा और माप के माध्यम से पर्यटन की स्थायी योजना और प्रबंधन को बढ़ाया जा सकता है, पर्यटन के माप को उसके तीन आयामों आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय - में आगे बढ़ाने की आवश्यकता के अनुसार और इसके लिए एक सांख्यिकीय ढांचे की दिशा में पहल को स्वीकार किया गया । संयुक्त राष्ट्र सांख्यिकी प्रभाग (यूएनएसडी) के सहयोग से यूएनडब्ल्यूटीओ द्वारा पर्यटन की स्थिरता को मापने (एमएसटी) की शुरुआत की गई। पर्यटन क्षेत्र के सतत परिवर्तन में तेजी लाने के लिए स्वैच्छिक वैश्विक पहलों पर ध्यान दिया जाना सराहनीय है जैसे वन प्लैनेट सस्टेनेबल टूरिज्म प्रोग्राम, पर्यटन में जलवायु कार्रवाई पर ग्लासगो घोषणा और वैश्विक पर्यटन प्लास्टिक पहल आदि।

प्रतिस्पर्धात्मकता, समावेशन और स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए डिजिटलीकरण की शक्ति का उपयोग

पर्यटन पर डिजिटल प्रौद्योगिकियों के परिवर्तनकारी प्रभाव देखे जा रहे हैं। पर्यटन जीवन चक्र के हर चरण में मांग और आपूर्ति दोनों पक्षों पर डिजिटलीकरण को शामिल करने के साथ-साथ राष्ट्रीय परिस्थितियों, जरूरतों और प्राथमिकताओं को ध्यान में रखते हुए गंतव्यों और व्यवसायों, विशेष रूप से एमएसएमई के डिजिटल परिवर्तन को बढ़ावा देने की आवश्यकता है।

एमएसएमई का समर्थन करने के लिए सभी के लिए डिजिटल प्रशिक्षण और डिजिटल बुनियादी ढांचे तक पहुंच को प्राथमिकता देने और युवाओं, महिलाओं, स्थानीय समुदायों और स्वदेशी लोगों और विकलांग व्यक्तियों जैसे कमजोर समूहों को अनुकूलित करने और बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है और यात्रा को आगे बढ़ाने के लिए डिजिटल उपकरणों के उपयोग को प्रोत्साहित किया जा रहा है। सुविधा और निर्बाध यात्रा, सुरक्षा और संरक्षा में वृद्धि, बेहतर बुनियादी ढाँचा प्रबंधन पर फोकस किया जा रहा है। देशों को पर्यटन में डिजिटल प्रौद्योगिकियों के नियमों पर काम करते हुए क्षेत्रों की प्रतिस्पर्धात्मकता को आगे बढ़ाने के लिए पर्यटन में विशिष्ट नवाचार और उद्यमिता नीतियों और कार्यक्रमों को बढ़ावा दिया जा रहा है। आज सभी देशों द्वारा स्थानीय उपज और पारंपरिक जीवन शैली पर आधारित पर्यावरण अनुकूल कार्यों और पर्यटन पेशकशों को साझा करना और बढ़ावा देने के लिए डिजिटल उपकरणों का उपयोग करना हितकारी है।

युवाओं और महिलाओं को अच्छी नौकरियों और उद्यमशीलता के अवसरों के लिए सशक्त बनाना

पर्यटन सभी उम्र और कौशल स्तर के लोगों के लिए न केवल प्रत्यक्ष, बल्कि अप्रत्यक्ष रूप से कृषि, निर्माण, विनिर्माण, खुदरा, हस्तशिल्प, सांस्कृतिक और रचनात्मक उद्योग, वित्तीय सेवाओं, सूचना और सहित कई अन्य क्षेत्रों में रोजगार पैदा करता है। पर्यटन महिलाओं के लिए एक महत्वपूर्ण रोजगार क्षेत्र है, जो दुनिया भर में इस क्षेत्र की वैश्विक श्रम शक्ति का 54% हिस्सा है, जबकि समग्र अर्थव्यवस्था में यह 39% है, फिर भी महिलाएं सबसे कम भुगतान वाली और सबसे कम स्थिति वाली नौकरियों में केंद्रित हैं। पर्यटन और पारिवारिक पर्यटन व्यवसायों में बड़ी मात्रा में अवैतनिक कार्य करते हैं। महिलाएं, जो अक्सर अनौपचारिक या आकस्मिक रोजगार में लगी रहती हैं, उन

पर कोविड-19 महामारी का प्रतिकूल असर पड़ा है और इस क्षेत्र में असमानताएं बढ़ गई हैं और हाल के वर्षों में लैंगिक समानता और महिलाओं के अधिकारों की दिशा में कड़ी मेहनत से हासिल किए गए लाभ उलट गए हैं। पर्यटन रोजगार को महत्वपूर्ण चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, विशेष रूप से कोविड-19 महामारी के बाद, श्रम की कमी; अपस्किलिंग, रीस्किलिंग, नई स्किलिंग और डिजिटल स्किलिंग; प्रतिभा आकर्षण और प्रतिधारण; अच्छे काम की कमी और नकारात्मक धारणाएँ जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। आज पर्यटन शिक्षा और कौशल को बदलने की आवश्यकता है और युवाओं की उच्च गुणवत्ता और समकालीन पर्यटन शिक्षा तक पहुंच सुनिश्चित करना और साथ ही एक ऐसे क्षेत्र का निर्माण करना जो सभ्य और टिकाऊ नौकरियां पैदा करने में सक्षम हो और युवाओं के करियर विकास के लिए पर्याप्त परिस्थितियां प्रदान करने वाली प्रतिभा को आकर्षित करने और बनाए रखने में सक्षम हो। पर्यटन शिक्षा और कैरियर पथों के लिए एक रोडमैप बनाने के महत्व को रेखांकित करने की आवश्यकता है जिसमें टिकाऊ, समावेशी और सार्वभौमिक रूप से सुलभ पर्यटन और राष्ट्रीय और स्थानीय स्तर पर त्रिपक्षीय सामाजिक संवाद और उद्योग-अकादमिक-सरकारी साझेदारी को मजबूत करने सहित सभी हितधारकों को शामिल किया जाए। शिक्षा और कैरियर पथ और प्रशिक्षण के अवसरों को तैयार करने के लिए कौशल अंतराल की पहचान करना और विशेष रूप से युवाओं, महिलाओं, स्थानीय समुदायों और स्वदेशी लोगों और दिव्यांगों जैसे कमजोर समूहों के लिए एक कुशल पर्यटन कार्यबल का निर्माण करने और पहुंच का लाभ उठाया जाना चाहिए।

नवोन्मेषण सहित गतिशीलता लाने के लिए पर्यटन एमएसएमई, स्टार्टअप और निजी क्षेत्र का पोषण करना

एमएसएमई में लगभग 80% पर्यटन व्यवसाय शामिल है और हमारे कुछ देशों में, यह देखा जा सकता सकता है। एमएसएमई और स्टार्टअप सहित निजी क्षेत्र के लिए नवाचार और गतिशीलता का समर्थन करने की आवश्यकता है। पर्यटन क्षेत्र के भीतर और पर्यटन और अन्य क्षेत्रों के बीच मूल्य श्रृंखला एकीकरण की चुनौतियों का समाधान करना। गंतव्यों और व्यवसायों, विशेष रूप से एमएसएमई के लिए आर्थिक और पर्यावरणीय स्थिरता, सामाजिक जिम्मेदारी की दिशा में सहयोग बढ़ाना हमारा लक्ष्य होना आवश्यक है। हम देशों को उन नीतियों, विनियमों और पहलों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं जो परिवर्तन प्रबंधन को सशक्त बनाते हैं और अनुकूलनशीलता और आधुनिकीकरण के लिए पर्यटन की क्षमता बढ़ाते हैं। पर्यटन में अनौपचारिकता एक बड़ी चुनौती है, जो विशेष रूप से युवाओं, महिलाओं, स्थानीय समुदायों और स्वदेशी लोगों और विकलांग व्यक्तियों जैसे सबसे कमजोर समूहों को प्रभावित करती है, इस दिशा में अनौपचारिक से औपचारिक तक संक्रमण को आगे बढ़ाना महत्वपूर्ण प्रतीत हो रहा है।

गंतव्य प्रबंधन - समग्र दृष्टिकोण की दिशा में गंतव्यों की रणनीतिक योजना और प्रबंधन पर पुनर्विचार

पर्यटन स्थलों के प्रबंधन को एक समग्र मॉडल की दिशा में पुन: तैयार करने की आवश्यकता है जो पर्याप्त शासन का निर्माण करे और स्थिरता, समावेशन और लचीलेपन को आगे बढ़ाए। पर्यटन पर कोविड-19 संकट के प्रभाव ने गंतव्य प्रबंधन के एक नए मॉडल की आवश्यकता

पर बल दिया है। राष्ट्रीय परिस्थितियों, जरूरतों और प्राथमिकताओं को ध्यान में रखते हुए, जहां प्रासंगिक हो, टिकाऊ पर्यटन के लिए गंतव्य प्रबंधन में प्रमुख अभिनेताओं के रूप में गंतव्य प्रबंधन संगठनों (डीएमओ) के निर्माण को बढ़ावा देने के लिए इसके तीन स्तंभों - आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरण - में भी प्रयास किया जाना चाहिए।

आज गंतव्य स्तर पर सार्वजनिक-निजी क्षेत्रों और निवासियों के बीच साझेदारी पर आधारित स्थायी शासन की ओर ले जाने के लिए त्रिपक्षीय सामाजिक संवाद को मजबूत करने और विभिन्न स्तरों पर सरकारों, पर्यटन हितधारकों के बीच समन्वय तंत्र बनाने के महत्व को सुदृढ़ करने की आवश्यकता है। संकेतकों के अनुसार स्थानीय स्तर पर पर्यटन के प्रभाव को मापने और सतत पर्यटन वेधशालाओं (यूएनडब्ल्यूटीओ के सतत पर्यटन वेधशालाओं के अंतर्राष्ट्रीय नेटवर्क) जैसी पहलों पर ध्यान दिए जाने की आवश्यकता है। गंतव्य प्रबंधन दिशानिर्देशों के विकास तथा प्रभावी और पर्याप्त सहयोगी शासन मॉडल को बढ़ावा दिया जाना इस दिशा में प्रमुख कार्य हैं।

भावी मार्ग

एसडीजी के उद्देश्यों को पूरा करने और एक समावेशी और टिकाऊ भविष्य के निर्माण के लिए पर्यटन क्षेत्र में बदलाव के लिए वसुधैव कुटुंबकम की सच्ची भावना में एक साथ काम करना और एक-दूसरे का सहयोग करना अच्छा कदम होगा। एसडीजी के कार्यान्वयन से संबंधित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय एजेंडा और प्रक्रियाओं में पर्यटन को उच्च स्थान पर रखने के दृष्टिकोण बनाए रखा जाना चाहिए और इस दिशा में मिलकर काम करने की आवश्यकता है। एसडीजी की प्रगति पर जी20 पर्यटन ऑनलाइन मंच की स्थापना को एक उपकरण के रूप में सुझाया गया है और ऐसी विरासत के निर्माण में भारत की अध्यक्षता की सराहना की जा सकती है।

वीरेंद्र सहवाग

वीरेंद्र सहवाग (जन्म 20 अक्टूबर 1978) एक पूर्व भारतीय क्रिकेटर हैं जिन्होंने 1999 से 2013 तक भारत का प्रतिनिधित्व किया। व्यापक रूप से सबसे जबरदस्त सलामी बल्लेबाजों में से एक और अपने युग के महानतम बल्लेबाजों में से एक माने जाने जातें है सहवाग ने 20 अक्टूबर2015 को अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास ले लिया। अब, वह भारत सरकार के युवा मामले और खेल मंत्रालय के तहत राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी के एंटी डोपिंग अपील पैनल के सदस्य के रूप में कार्यरत हैं। उन्होंने 1999 में अपना पहला एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय मैच खेला और 2001 में भारतीय टेस्ट टीम में शामिल हुए। अप्रैल 2009 में, सहवाग 2008 में अपने प्रदर्शन के लिए विश्व में विजडन लीडिंग क्रिकेटर के रूप में सम्मानित होने वाले पहले भारतीय बने, इसके बाद वह पहले खिलाड़ी बने।